जवाहरलाल नेहरु कृषि विश्वविद्यालय, जबलपुर
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग

प्रेषक :डॉ. शेखर सिंह बघेल
सूचना एवं जनसम्पर्क अधिकारी

क्रमांक 56
दिनांक 01.03.2023

श्री अन्न आज की जरूरत, मिलेट्स का जितना उपयोग बढ़ेगा, छोटे किसानों को उतना ज्यादा होगा फायदा– केन्द्रीय कृषि मंत्री श्री नरेन्द्र सिंह तोमर

जनेकृविवि में दो दिवसीय कोदो, कुटकी, रागी, सावां, ज्वार, बाजरा,कंगनी में राष्ट्रीय संगोष्ठी का हुआ भव्य उद्घाटन

मुख्य आकर्षण के केन्द्र रहे मिलेट्स के फूड एवं विभिन्न प्रकार के उत्पादों की प्रदर्शनी

जबलपुर 01 मार्च, 2023। जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय, जबलपुर के कुलपति डॉ. प्रमोद कुमार मिश्रा की अध्यक्षता में आजादी के अमृत महोत्सव, जी–20 तहत आज से दो दिवसीय, **राष्ट्रीय सम्मेलन मिलेट्स के ''उत्पादन, प्रसंस्करण एवं विपणनः समस्याएं एवं समाधान''** विषय पर आयोजित किया गया। इस दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में मुख्य अतिथि के रूप में देश के केन्द्रीय मंत्री श्री नरेन्द्र सिंह तोमर जी, केन्द्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार एवं मुख्यअतिथि श्री कमल पटेल, माननीय मंत्री, किसान कल्याण तथा कृषि विकास, मध्यप्रदेश शासन वर्चुअली जुड़कर कार्यक्रम को संबोधित किया।

संगोष्ठी में देश के **केन्द्रीय मंत्री श्री नरेन्द्र सिंह तोमर** जी, केन्द्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार ने कहा कि श्री अन्न (मिनेट) आज की जरूरत है, क्योंकि पोषक तत्वों से भरपूर होते है। वर्तमान परिवेश मे घर हो या बाहर हमारे पास भोजन तो उपलब्ध है, लेकिन उसमें जरूरत के हिसाब से पोषक तत्व की कमी है। पोषक तत्व पर्याप्त मात्रा में रहे. इसके लिए थाली में श्री अन्न होना जरूरी है। श्री तोमर ने यह बात जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालयद्वारा, जबलपुर द्वारा अंतर्राष्ट्रीय मिलेट्स वर्ष के अंतर्गत आयोजित दो दिवसीय नेशनल मिलेट्स कॉफ्रेस के शुभारंभ समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में कही। श्री तोमर ने कहा कि हम जानते है कि दुनिया में मिलेट विशिष्ट उत्पादन के रूप में उत्पादित हो रहा है। समय के साथ मिलेट का भोजन की थाली में स्थान कम होता गया और इसकी प्रतिस्पधी समाप्त हो गई। मिलेट को पुनः बढ़ावा मिले और उपयोग इसे लेकर किए जा रहे हैं। भारत की अगुवाई में वर्ष 2023 में पूरी दुनिया मिलेट के रूप में मना रही है। 18 मार्च को नई दिल्ली में अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी इसे विधिवत जांच करेंगे। इसके अलावा इस वर्ष देशभर के लगभग 50 शहरों में जी–20 की बैठके आयोजित होना है, जिनमें विदेशों के लगभग दो लाख लोग भारत आयेगें। प्रधानमंत्री के निर्देशन में जी–20 की बैठकों के माध्यम से भी मिलेट्स के प्रचार–प्रसार की योजना तैयार की गई है। जी–20 के सभी कार्यों में भोजन में मिलेट को प्राथमिकतामा रही है, ताकि जब ये लोग अपने देश लौटे जो यहां से भोजन का अच्छा स्वाद लेकर जाएं और दुनियाभर मैं मरतीय अन्न को नई पहचान मिलें। इसका लाभ हमारे किसानी व देश को मिलेगा। श्री तोमर ने कहा कि मिलेट वर्षा आधारित होते है, जिसे पानी में उगा सकते है। गरीब किसान बंजर धरती में इसका उत्पादन कर सकते है। मिलेट का उपयोग जितना पड़ेगा में उतने पोषक तत्व मिलेंगे, जिसका फायदा लोगों को होगा। मिलेट का उपयोग दुनिया में बढ़ेगा तो प्रोसेसिंग बढ़ेगी, निर्यात बढ़ेगा, जिसका साथ छोटे किसानों को होगा और उनकी माली हालत सुधारने में सफलता मिलेगी। यह मिलेट ईयर इस दृष्टि से काफी महत्वपूर्ण है। देश में इस पर बढ़ाने के लिए तीन राष्ट्रीय उत्कृष्टता केंद्र हरियाण, हैदराबाद व बेंगलोर में स्थापित किए गए हैं, जिनके जरिए काफी काम हो रहा है। कृषि क्षेत्र में करीब 2000 स्टार्टअप काम कर रहे हैं जिनमें अधिकांश मिलेट से संबंधित है। हमारे देश से 4 लाख करोड़ रुपये से उसके कृषि उत्पादों का निर्यात हुआ, जिनमें अधिकांश हिस्सा आर्गनिक मिलेट का है। उन्होंने कहा कि म.प्र. में कृषि को बढ़ावा देने व या राज्य बनाने में जवाहरलाल नेहरू कृषि वि.वि. की भूमिका की सराहना करते हुए कहा कि मिलेट्स की जो किस्में विलुप्त हो रही है, उन पर भी काम कर रहा है, जिसे और बढ़ाने की जरूरत है।

दो राष्ट्रीय सम्मेलन के मुख्यअतिथि **श्री कमल पटेल,** माननीय मंत्री, किसान कल्याण तथा कृषि विकास, मध्यप्रदेश शासन ने उद्घाटन सत्र में वर्चुअली जुड़कर, संबोधित करते हुये कहा कि सरकार मोटे अनाज को

जवाहरलाल नेहरु कृषि विश्वविद्यालय, जबलपुर
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग

दुनिया में बढ़ावा देने के लिये लगातार काम कर रही है। पुराने समय में भारतीय थाली में आम जनमानस का भोजन मोटे अनाज सुपर फूड ही थे। मंत्री श्री पटेल ने कहा कि मोटे अनाज अत्यधिक पोषक, अम्ल–रहित,ग्लूटेन मुक्त और आहार गुणों से युक्त होते हैं। इसके अलावा, बच्चों और किशोरों में कुपोषण खत्म करने में मोटे अनाज का सेवन काफी मददगार होता है, क्योंकि इससे प्रतिरक्षा और स्वास्थ्य को बढ़ावा मिलता हैं। उन्होंने कहा कि जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय का इतिहास हमेशा से स्वर्णिम रहा हैं, आज एक बार फिर से मुझे इस दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में मिलेट्स पर बोलने का मौका मिला हैं। जिसमें पूरे देश से कृषि वैज्ञानिक शामिल हुये है। मिलेट्स की घरेलू व वैश्विक मांग बनने के साथ ही जलवायु अनुकूल पोषक अनाज के उत्पादन, निर्यात और ब्रॉन्डिंग पर विशेष ध्यान केन्दित किया जा रहा है। भारत मिलेटस के उत्पादन और क्षेत्र कवरेज दोना में विश्व में प्रथम स्थान पर है दुनिया का 18 प्रतिशत मिलेट्स उत्पादन भारत में होता है। आगामी वर्षों में मिलेट्स श्री अन्न के रूप में हर भारतीय की थाली में हो इसके लिये समुचित उपलब्धता हेतु यह सम्मेलन उपयोगी एवं मार्गदर्शक सिद्ध होगा ऐसा मेरा विश्वास है। मुझे अतयंत हर्ष है कि इस महत्वपूर्ण आयोजन में जहाँ एक ओर अंतराष्ट्रीय ख्यातिलब्ध वैज्ञानिक भाग ले रहे है वहां कृषि क्षेत्र में नवाचार करने वाले प्रगतिशील कृषक, एन.जी.ओ. के प्रतिनिधि, कृषि के क्षेत्र में सफल व्यवसायी, स्टार्टअप प्रारम्भ करने वाले नवाचारी बन्धू सम्मिलित हो रहे है। इससे कार्यक्रम की गरिमा कई गुनी बढ़ गई है। इनकी उपस्थिति प्रेरणादायी एवं नीति निर्धारण में मार्गदर्शक सिद्ध होगी।

इस राष्ट्रीय संगोष्ठी में विशिष्ट अतिथि के रूप में वि.वि. के भूतपूर्व कृषि छात्र एवं सम्मानीय सांसद, लोकसभा खजुराहों, मध्यप्रदेश **श्री विष्णु दत्त शर्मा** की गरिमामय उपस्थिति रही। आपने अपने उद्‌बोधन में कहा कि हमारे देश के यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के अमृत काल में विजन 2047 को नई दृष्टि दी है, हर भारतीय की थाली में पोषण युक्त आहार की समुचित उपलब्धता विजन का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है साठ के दशक में मिलेट्स यानी ज्वार बाजरा रागी की रोटी हर थाली में नजर आती थी और गेहूं चावल कम ही खाया जाता था वर्तमान समय में गेहूं चावल का भोजन में प्रचुरता से उपयोग के साथ ही बंपर उत्पादन के मोह में अंधाधुन रासायनिक खाद और कीटनाशकों का उपयोग भी किया गया परिणाम स्वरूप उत्पादन तो बड़ा लेकिन गुणवत्ता में कमी के साथ प्रतिकूलताए भी सामने आई दीर्घकालीन परिणाम पोषण की कमी कई बीमारियों के रूप में सामने आई। चूकि मैं इसी कृषि विश्वविद्यालय का भूतपूर्व छात्र रहा हूं मुझे हर्ष है कि विश्वविद्यालय के कृषि वैज्ञानिकों की लगन व समर्पण की बदौलत निरंतर नवीनतम शोध किए गए जिसका व्यापक लाभ प्रदेश व देश की किसान भाइयों को प्राप्त हो रहा है मिलेट्स के क्षेत्र में विश्वविद्यालय द्वारा जनजाति क्षेत्रों में उगाई जाने पुरातन किस्मों में हमारी धरोहर व हमारी पहचान है इस क्षेत्र में उत्तररोतर कार्य सतत जारी है। मुझे जानकारी मिली है कि जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय जबलपुर मिलेट्स जैसे कोदो कुटकी एवं रागी की 27 प्रजातियां विकसित का प्र जनक बीज उत्पादन में सहयोग करने वाला मध्य प्रदेश का एकमात्र विश्वविद्यालय है स्थानीय बहुमूल्य परंपरागत किस्मों के संरक्षण को अधिक से अधिक प्रोत्साहित करने हेतु जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय जबलपुर द्वारा मध्यप्रदेश शासन के सहयोग से जी आई टैगिंग प्राप्त करने का कार्य किया जा रहा है इस दिशा में डिंडोरी जिले की सिताही कुटकी , नाग दमन कुटकी और वैज्ञानिक इसकी जीआईटेग प्राप्त करने हेतु विश्वविद्यालय द्वारा प्रस्ताव प्रेषित किए जा चुके हैं यह एक शुभ संकेत है, मोटे अनाजों की मोटे अनाजों की स्वास्थ्य के साथ ही पोषण पूर्ति में महती भूमिका होती है आज माननीय प्रधानमंत्री जी के सकारात्मक प्रयासों से इंटरनेशनल स्तर पर सुपरफूड के रूप में जाना जा रहा है मिलेट्स को आज व्यक्ति अपने भोजन में शामिल कर देश की आत्मा के साथ जोड़ रहा है,साथ ही आदिवासी कृषकों के उत्थान व प्रगति हेतु भागीदार बन रहा है, इस राष्ट्रीय सम्मेलन में मिलेट्स की हर विधा पर व्यापक प्रस्तुति एवं प्रयास विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों ने किया है हमारी मिललेट्स फसल की रिसर्च की बात हो उत्पादन तकनीकी नवीनतम प्रजातियों की बात हो या फिर प्रसंस्करण विपणन या फिर देसी सुपर फुट की विभिन्न स्वादिष्ट व्यंजन सभी को एक स्थान पर प्रस्तुति कर इस फसल को इंद्रधनुषी रंग प्रदान करने हेतु विश्वविद्यालय परिवार व वैज्ञानिकों को हृदय से बधाई देता हूं, स्वास्थ्यवर्धक मोटे अनाजों देशी फूड के लिए राष्ट्रीय सम्मेलन का जो भी सार निकलेगा वह देश की कृषि, कृषि स्टूडेंट व वैज्ञानिकों को नई दिशा एवं मार्गदर्शन प्रदान करेगा।

दो दिवसीस राष्ट्रीय संगोष्ठी के उद्‌घाटन सत्र के प्रारंभ में मिलेट्स की फूड फेस्टीवल एवं प्रदर्शनी का फीता काटकर विशिष्ट अतिथि व वि.वि. के भूतपूर्व कृषि छात्र एवं सम्मानीय सांसद, लोकसभा खजुराहों, मध्यप्रदेश श्री विष्णु दत्त शर्मा द्वारा किया गया। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि के रूप में वि.वि. के भूतपूर्व कृषि छात्र एवं सम्मानीय सांसद, लोकसभा खजुराहों, मध्यप्रदेश श्री विष्णु दत्त शर्मा, नाबार्ड के चीफ जनरल मैनेजर श्री निरूपम मेहरोत्रा जी, भारतीय एग्रो इकानोमिक रिसर्च सेंटर के जनरल सेक्रेटरी, नई दिल्ली श्री प्रमोद चौधरी, विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. प्रमोद कुमार मिश्रा, डॉ. आर.आर हंचीनाल, पूर्व कुलपति कृषि विवि.धारवाड़, डॉ. दिनेश अग्रवाल, रजिस्ट्रार जनरल पी.पी.बी.एण्ड एफआरए, डॉ. पी.पी. शास्त्री, मेम्बर आईसीएआर गवर्निंग बॉडी नई दिल्ली, अधिष्ठाता

कृषि संकाय डॉ. धीरेन्द्र खरे, अधिष्ठाता कृषि अभियांत्रिकी संकाय डॉ. अतुल श्रीवास्तव, अधिष्ठाता उद्यानिकी संकाय डॉ. एस.के. पांडे, संचालक अनुसंधान सेवायें डॉ. जी.के. कौतू, संचालक विस्तार सेवायें डॉ. दिनकर प्रसाद शर्मा, संचालक शिक्षण डॉ. अभिषेक शुक्ला, अधिष्ठाता कृषि महाविद्यालय, जबलपुर डॉ. पी.बी. शर्मा आदि मंचासीन रहे।

कार्यक्रम में अध्यक्षीय उद्‌बोधन कुलपति **डॉ. पी.के. मिश्रा** एवं नावार्ड के मुख्य महाप्रबंधक **श्री निरूपम मेहरोत्रा** ने भी मिलेट्स पर अपनी बात कही। स्वागत उद्‌बोधन राष्ट्रीय सम्मेलन के आयोजक सचिव डॉ. जी.के. कौतू ने दिया। कार्यक्रम का संचालन अधिष्ठाता छात्र कल्याण डॉ. अमित शर्मा एवं आभार प्रदर्शन संचालक विस्तार सेवायें डॉ. दिनकर प्रसाद शर्मा द्वारा किया गया।

राष्ट्रीय सम्मेलन के उद्‌घाटन के दौरान उपस्थित गणमान्य अतिथियों द्वारा मिलेट्स के विभिन्न आयामों द्वारा तैयार की गई कृषि साहित्य का विमोचन किया गया। इसी दौरान देश व प्रदेश में मिलेट्स की ब्रांड एम्बेसडर के रूप में अपनी पहचान बना चुकी, जो मोटे अनाज की स्थानीय प्रजातियों के संरक्षण एवं संवर्धन हेतु बीज बैंक बनाकर महत्वपूर्ण भूमिका अदा कर रहीं है। हमारे डिण्डोरी जिले व म.प्र. को गौरव प्रदान करने वाली सुश्री लहरी बाई का शाल श्रीफल एवं स्मृति चिन्ह, प्रशस्ति पत्र प्रदान कर स्वागत एवं सम्मान किया गया। इसके अलावा विभिन्न जिलों 11 कृषक जिनको प्रदेश में प्रथम बार उनके द्वारा विकसित किस्मों को पौध किस्म सरंक्षण एवं कृषक अधिकार प्रधिकरण, भारत सरकार, नई दिल्ली द्वारा मान्यता प्रदान कर ब्रीडर राईट्स प्रदान किया गया है का भी शाल श्रीफल एवं स्मृति चिन्ह, प्रशस्ति पत्र प्रदान कर स्वागत एवं सम्मान किया गया।

मिलेट्स के विभिन्न व्यंजन एवं उत्पादों की रही धूम–

पॉजिटिव मिलेट्स (श्री अन्न), कोदो, कुटकी, रांगी, सांवा, कंगनी, ज्वार, बाजरा जैसे पोषक अनाज को आम जनमानस में जागरूकता हेतु **मिलेट्स के फूड फेस्टिवल एवं प्रदर्शनी** लगाई गई है, आदिवासी बाहुल्य जिला मंडला एवं डिंडोरी के प्रमुख फसल मिलेट्स के विभिन्न उत्पादों का प्रदर्शन कर एवं बने हुये उत्पादों का आनंद जबलपुर वासी भी उठा पाएंगे। इस हेतु राष्ट्रीय सम्मेलन में फूड फेस्टिवल एवं प्रदर्शनी का आयोजन विशेष आकर्षण का केंद्र बना हुआ। इस हेतु खाद्य विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा विशेष रूप से विभिन्न प्रकार के मिलेट्स के व्यंजन एवं उत्पाद तैयार कर प्रदर्शनी लगाई गई है। इन पोषण से युक्त उत्पादों का स्वाद जबलपुरवासी भी उठा पाएंगे। **इसमें प्रमुख रूप से कोदो, कुटकी, सावां, रागी, ज्वार, बाजरा, कंगनी, से बने हुये मूल्य संवर्धित उत्पाद जैसे– मिलेट खीर, खिचड़ी, पास्ता, मफिन, पापड़, डोसा, चीला, इडली, उत्पम, केक, सिवई, बिस्कुट, कुभीरा, मिलेट फ्लेक्स अन्य बेकरी उत्पादों का विक्रय एवं जानकारी प्रदर्शित की जायेगी।** इस फेस्टिवल में मंडला एवं डिण्डारी जिले के स्व–सहायता समूह की महिलाओं द्वारा निर्मित मिलेट्स उत्पाद एवं पारम्परिक व्यंजनों का भी प्रदर्शन एवं विक्रय की विशेष रूप से व्यवस्था की जा रही है। मध्यप्रदेश के विभिन्न कृषि विज्ञान केन्द्रों द्वारा किये जा रहे मिलेट्स के कार्यो की एवं उत्पादों की प्रदर्शनी लगाई गई है।